हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 8 जुलाई 2024

11 प्रभातफेरी संगठन ने निकाली भगवान श्री जगन्नाथ महाराज की भव्य यात्रा

12 जिले के अंतिम छोर तक पहुंचाया जाएगा दोहान का पानी

खबर संक्षेप

30 मिनट में बाइक चोरी कैमरे में कैद हुआ बदमाश

महेंद्रगढ़। शहर की दीवान कॉलोनी में मिलने आए गांव दुलोठ अहीर निवासी एक युवक की रविवार को 30 मिनट के दौरान बाइक चोरी हो गई हैं। बाइक चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई हैं। सीसीटीवी फुटैज में चोर बाइक लेकर जाता हुआ दिखाई दे रहा हैं। शहर थाना पुलिस ने युवक की शिकायत पर जांच शुरू कर दी हैं। गांव दुलोठ अहीर सचिन ने बताया कि रविवार को वह अपनी बाईक पर सवार होकर महेंद्रगढ़ की दीवान कॉलोनी में किसी से मिलने के लिए आया हैं।

नागरिक अस्पताल से बाइक ले उड़े चोर

नारनौल। नागरिक अस्पताल के डायलिसिस वार्ड के सामने खड़ी स्पलेंडर प्लस हीरो बाइक चोरी हो गई। पीड़ित मोहित ने बताया कि वह दौंगड़ा अहीर का निवासी है और अस्पताल से बाइक चोरी कर ली गई।

कांवी मोड़ के मेडिकल स्टोर के ताले टूटे, चोरी

नारनौल। चोरों ने मूलोदी के बस स्टैंड पर कांवी मोड़ स्थित मेडिकल स्टोर के ताले तोड़कर वहां से इनवर्टर, बेटरी एवं नकदी चुरा ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित संजय निवासी मूलोदी ने बताया कि उसने गांव के बस स्टैंड पर नारायणी नाम से मेडिकल स्टोर खोला हुआ है।

खोखे से दो सिलेंडर एवं चूल्हा चोरी

नारनौल। नांगल चौधरी के बहरोड मोड़ पर रेहड़ी लगाकर बर्गर चाट बेचने वाले के खोखे को तोड़कर चोर वहां से दो गैस सिलेंडर, एक चूल्हा तथा सिल्वर के बर्तन चुरा ले गए। पीड़ित मनीराम राजपूत निवासी नांगल चौधरी वार्ड नंबर तीन ने बताया कि उसने एक छोटी सी दुकान बहरोड मोड़ पर कर रखी है और रेहड़ी लगाकर बर्गर चाट बेचता है। चोरों ने रात्रि को बंद खोखे को तोड़कर वहां से दो सिलेंडर, एक बड़ा चूल्हा तथा सिल्वर के बर्तन चुरा लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

नकदी व आभूषण लेकर महिला लापता

कनीना। कनीना सदर थाना अंतर्गत एक गांव से महिला लापता हो गई। इस बारे में कनीना सदर पुलिस थाना में दी शिकायत में शिकायतकर्ता राजेश कुमार ने बताया कि वह पांच जुलाई को सुबह मेहनत-मजदूरी करने के लिए घर निकला था, सायं को घर आया तो मालुम हुआ कि उसकी पत्नी दोपहर 12 बजे बिना बताए घर से चली गई। घर पर रखी 40 हजार रुपये की नकदी व सोना-चांदी के आभूषण भी ले गई।

नहर में नहाने का लालच: नीमराणा से नहाने आए युवक की नहर में डूबने से मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

बिना तैरना सीखे ही नहरों, नदी, नालों एवं तालाबों में युवओं का उत्तर जाना जान जोखिम में डाल रहा है। आजकल बरसात के चलते खुले आसमान तले बरसात में नहरों एवं जोहड़ों आदि में नहाने का लालच नवयुवक छोड़ नहीं पा रहे हैं और यह उन पर काफी भारी पड़ रहा है। ऐसा ही एक मामला सिहमा गांव में सामने आया है, जहां जवाहरलाल कैनाल नहर में डूबने से उत्तर प्रदेश निवासी लगभग 19 वर्षीय सचिन पुत्र राजकुमार की मौत हो गई।

उत्तर प्रदेश व उड़ीसा के रहने वाले 6 दोस्त नीमराना कंपनी में एकसाथ कार्य करते थे। यह सभी एकसाथ नीमराना में रहते थे। रविवार को यह अपनी गाड़ी से वाटर पार्क में नहाने के लिए आए थे। तभी इनमें से एक लड़के सचिन (मृतक) ने इन सभी को वाटर पार्क की बजाय सिहमा नहर में नहाने को बोला। उसने अपने दोस्तों को बताया कि वह पहले भी सिहमा में बनी नहर में नहा चुका है। सभी मिलकर दोपहर लगभग 12 बजे सिहमा पहुंचकर नहाने के लिए उतरे ही थे कि सचिन पानी में डूबने लगा। तभी उसके एक साथी ने नहर की पगडंडी पर से उसको बचाने का प्रयास किया। इस पर डूब रहे लड़के ने उसका हाथ का कड़ा पकड़ भी लिया, लेकिन पानी का बहाव ज्यादा होने के कारण उसका कड़ा हाथ से निकल गया और उसका साथी पानी में डूब गया। इस दौरान खेत में काम करने वाले नहर पर इकट्ठा हो गए। सूचना के आधार पर फैजाबाद पुलिस चौकी व सदर पुलिस नारनौल की संयुक्त टीम तुरंत मौके पर पहुंची और राहत बचाव कार्य में शुरू किए। साथ ही मदद के लिए फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस को भी बुलाया गया। सभी टीमों ने मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया और कुछ देर बाद नहर से शव बरामद कर लिया। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी लगभग 19 वर्षीय सचिन पुत्र राजकुमार के रूप में हुई है। वह नीमराना कंपनी में काम करता था।

पुलिस ने डैडबॉडी बरामद करने उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल नारनौल पहुंचाया तथा मृतक के परिजनों को भी सूचित किया। मृतक के परिजन आने उपरांत शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा।

मंडी अटेली। नहर में डूबे युवक को बाहर निकालते हुए व सिहमा गांव में बहती नहर तथा मौके पर मौजूद प्रशासनिक अमला। फोटो : हरिभूमि

अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ की जान गई

नारनौल। शहर के निजामपुर रोड स्थित सैनी धर्मकांटा के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से करीब 55 वर्षीय हरपाल सिंह की मौत हो गई। हादसा इतना भयानक रहा कि हरपाल सिंह का सिर-धड़ एवं हाथ बिल्कुल सुरक्षित रहे, लेकिन कमर एवं नीचे का सारा हिस्सा कुचला गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वह गांव खतरीपुर दुबलाना के रहने वाले थे और पिछले कई सालों से निजामपुर रोड स्थित भूप कॉलोनी में मकान बनाकर रह रहे थे। वह अनाज की सौदागिरी करते थे। करीब 55 वर्षीय हरपाल सिंह पुत्र भूपसिंह निवासी खतरीपुर दुबलाना प्रातःकाल को छह बजे भूप कॉलोनी स्थित मकान से सड़क पर घूमने निकले थे। जब वह निजामपुर रोड पर ही सैनी धर्मकांटा के पास थे, तब उनको किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि उनके शरीर का निचला हिस्सा सारा कुचला गया और मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। आसपास के लोगों ने हादसा होने उपरांत पुलिस को सूचित किया तथा उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सिटी पुलिस ने परिजनों के बयान पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने उपरांत शव का पोस्टमार्टम करा उसे परिजनों को सौंप दिया। मृतक दो बेटे एवं एक बेटी अपने पीछे छोड़ गया है।

पिकअप गाड़ी में ठूंस-ठूंस कर भरे थे ऊंट, एक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

थाना सदर पुलिस ने पिकअप गाड़ी में ठूंस-ठूंस कर पशु भरकर ले जाने के मामले में एक आरोपित दीपक वासी डोहर कलां को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पिकअप से तीन ऊंट बरामद किए, जिन्हें बेरहमी से कूररतापूर्वक रस्सी से बांधकर पिकअप में बैठाया हुआ था। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ पशु कूररता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि थाना सदर पुलिस गश्त के दौरान बस अड्डा बाछौद पर मौजूद थी। इस दौरान गुवानी रोड पर भीड़ का शोर सुनाई दिया। जिस पर टीम मौके पर पहुंची तो एक पिकअप गाड़ी को आम जनता ने रोक रखा था।

पुलिस ने पिकअप मे चढ़कर देखा तो तीन पशु ऊंट के मुंह व पैर रस्सी से बांधकर बेरहमी से क्रूरतापूर्वक बांधकर ठूंस-ठूंस कर बैठा रखा था। पिकअप गाड़ी के चालक का नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम दीपक वासी डोहर कलां बताया व साथ वाली सीट पर बैठा साथी मौके से भाग गया।

चालक ने बताया कि यह सभी ऊंट पिकअप गाड़ी के मालिक अजय वासी डोहर खुर्द ने भरकर दिए हैं। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जिले में इस बार सवा पांच लाख पौधे वितरित करने का रखा है लक्ष्य

हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वन विभाग कर रहा आमजन को पौधे वितरित

- 3.75 लाख पौधे आमजन, पंचायती राज संस्थाओं एवं सामाजिक संगठनों में किए जाएंगे वितरित
- शेष पौधे विभागानुसार बांटे जाएंगे, जो अपने विभागीय कार्यालय प्रांगणों के साथ-साथ सामूहिक रूप से सार्वजनिक स्थानों पर भी लगा सकेंगे पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिले को हरा-भरा बनाने के लिए वन विभाग ने आमजन को निःशुल्क पौधे वितरित करना शुरू कर दिया है। अब कोई भी व्यक्ति यह पौधे निःशुल्क प्राप्त कर सकता है। आमजन के साथ-साथ यह पौधे पंचायतीराज संस्थाओं, सामाजिक संगठनों एवं स्कूलों को वितरित किए जाएंगे। यह सभी पौधे साधारण कागज पर एप्लीकेशन लिखकर लिए जा सकेंगे और इनकी देखभाल की जिम्मेवारी भी स्वयं लेनी होगी। वन विभाग ने जिले में करीब सवा पांच लाख पौधे वितरित करने का लक्ष्य रखा है, जिसमें से करीब 3.75 लाख पौधे आम आदमी, पंचायती राज संस्थाओं एवं स्कूलों को निःशुल्क वितरित किए जा रहे हैं, शेष पौधे विभागानुसार वितरित किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि इस बार जिले में अपना लक्ष्य पूरा करने के लिए वन विभाग ने जिले की पांच नर्सरियों में फल, फूल, छायादार एवं औषधीय पौधों समेत विभिन्न प्रजातियों के करीब साढ़े पांच लाख पौध तैयार की गई है। प्रदेश सरकार ने राज्य में हरियाली को बढ़ावा देने एवं वन क्षेत्र संवर्धन के लिए हर साल मानसून सीजन में वन विभाग के माध्यम से जिला वाइज पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया जाता है। इस बार जिले में सवा पांच लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। वन विभाग की योजना के अनुसार इस बार 5.25 लाख पौधों में से 1.25 लाख पौधे वन विभाग अरावली क्षेत्र, नेशनल हाइवे नंबर 152-डी, एनएच 11 व एनएच 71 के ईद-गिर्द, नहरों, सड़कों के किनारे लगाए जाएंगे। इसके अलावा पौधगिरी, जल शक्ति अभियान एवं पंचायतों के माध्यम से 3.75 लाख पौधे वितरित किए जाएंगे। इसके साथ ही 25 हजार पौधे खराब पौधों के स्थान पर लगाए जाएंगे।

नारनौल। पौधे वितरित करते वन विभाग के कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

ऑक्सीजन प्लांट के लिए भी होगा पौधारोपण

जिला महेंद्रगढ़ में हालांकि कोई बड़ी औद्योगिक इकाई या कल-कारखाना नहीं है, लेकिन इसके बावजूद जिले में खनन एवं पत्थरों की ग्राइंडिंग का कार्य जोरों पर चलता रहा है, जिससे प्रदूषण को काफी बढ़ावा मिलता है। इसी को मद्देनजर रखते हुए राज्य सरकार ने पीडब्ल्यूडी विभाग के माध्यम से प्रदूषण कम करने के लिए ऑक्सीजन प्लांट हेतु विशेष पौधरोपण करने का निर्णय पहले से लिया हुआ है। यह निर्णय कंकरीट के जंगलों यानि भवन एवं सड़कों का क्षेत्रफल बढ़ने के लिए मद्देनजर भी लिया गया है कि जिलेवार ऑक्सीजन प्लांट के रूप में वन आरक्षित क्षेत्र निर्धारित कर उसमें पौधरोपण करवाया जाए। इसके जिले में पांच जगहों का चयन किया गया है, जिनमें अटेली खंड के गांव कांटी, बाछौद, नारनौल खंड में कुलताजपुर एवं कृष्णावति नदी क्षेत्र तथा महेंद्रगढ़ खंड में जांट-पाल के केंद्रीय विश्वविद्यालय का चयन किया गया है। इससे जिले में वन क्षेत्र में 63 एकड़ में बढ़ोतरी हो जाएगी। इन जगहों पर पौध संरक्षण का कार्य किया जाएगा और इन जगहों पर ऑक्सीजन देने वाले पौधे लगाए जाएंगे। केंद्रीय विश्वविद्यालय जांट-पाली की पांच एकड़ जमीन को वन विभाग आरक्षित घोषित कर दिया गया है और इसमें पौधरोपण कार्य किया जा रहा है।

तैयार की जा रही विभिन्न प्रजातियां

वन विभाग द्वारा जिले की भौगोलिक स्थिति के मद्देनजर मरूभूमि को ध्यान में रखकर स्थानीय जलवायु अनुसार पौधों की नर्सरी तैयार की जा रही है, जिनमें विभिन्न प्रजातियां शामिल हैं। फूलदार पौधों में गुलाब, गुडल, बोगन बेल, चांदनी, गुलमोहर व अमरताज शामिल हैं। इसी प्रकार फलदार पौधों में अनार, नींबू, अमरूद, करौंदा, मरूंडा, बेलपत्र व जामुन शामिल हैं। औषधीय पौधों में पत्थरचटा, ग्वारपाठा, तुलसी, गिलोय, अर्जुन, आंवला, एलोवेरा, बहेड़ा व सहेजना तथा छायादार पौधों में नीम, पपड़ी, शीशम, बड़, पीपल व बिलखन आदि को शामिल किया गया है।

यहां स्थित हैं वन विभाग की नर्सरियां

वन विभाग की ओर से नारनौल के रेवाड़ी रोड पर कृष्णावति नदी में, गांव लहरोदा, सिहमा, भुंगारका, महेंद्रगढ़ सिटी, झगड़ोली तथा कनीना खंड के गांव धनौंदा में नर्सरियां तैयार की गई हैं। इन नर्सरियों में आमजन साधारण एप्लीकेशन देकर अपने नाम से निःशुल्क पौधे प्राप्त कर सकता है। बशर्ते वह उनकी देखभाल की जिम्मेवारी लेता हो।

यह कहते हैं अधिकारी: इस बार 5.25 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिनमें से 3.75 लाख पौधे आमजन, पंचायतीराज संस्थाओं एवं सामाजिक संगठनों में निःशुल्क वितरित किए जा रहे हैं। जिले की पांचों नर्सरियों में आमजन जाकर यह पौधे प्राप्त कर सकता है। -रजनीश यादव, वन राजिक अधिकारी, नारनौल

मानसून सीजन: डीसी ने जारी की एडवाइजरी

एडीज मच्छरों के पनपने से रोकने के लिए सामूहिक तौर पर चलाएं अभियान

- सप्ताह में एक बार ड्राई डे मनाएं नागरिक: उपायुक्त

नारनौल। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने जिले के नागरिकों को एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि मानसून के सीजन में रूका हुआ पानी एडीज मच्छरों के पनपने का मूल कारण है। ऐसे में नागरिक इस सीजन में अतिरिक्त सावधानी बरतें। डेंगू के प्रकोप से बचने के लिए कूलर से पानी निकल दें और घर में किसी भी वस्तु में पानी एकत्रित न होने दें। सप्ताह में एक बार ड्राई डे मनाए। डीसी ने कहा कि स्कूली बच्चों को मानसून के मौसम में पूरी आस्तीन के कपड़े पहनने चाहिए। सभी स्कूल प्रबंधक तथा प्रिंसिपल डेंगू के प्रकोप से बचने के लिए छात्रों को जागरूक करने को अभियान चलाएं। घरों व दफ्तरों में तथा उसके आस-पास रूके हुए साफ पानी में एडीज मच्छर पनपते हैं।

मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए ये करें नागरिक

कूलरों को सप्ताह में एक बार खाली करें और उन्हें अच्छी तरह से रगड़कर साफ करें। एक बड़ा चम्मच टेमीफोस दवा या डीजल या पेट्रोल डालें। पुराने डिब्बे, टायर, टूटे बर्तन या कबाड़ की चीजें बाहर न रखें, जहां बारिश का पानी जमा हो सकता है। पानी की टंकी को हमेशा ठीक से ढककर रखें और सुनिश्चित करें की ढक्कन सुरक्षित रूप से फिट हो। पानी की टंकी के ओवरफ्लो पाइप व एयर वेंट पाइप पर जालीदार स्क्रीन लगाएं। मनी प्लांट और फेंगशुल प्लांट आदि में कम से कम सप्ताह में एक बार पानी बदलें। पक्षियों को पानी देने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कंटेनरों को नियमित रूप से साफ करें और उनमें ताजा पानी भरें। निर्माण स्थलों पर मच्छरों के प्रजनन को रोकना बिल्डर की जिम्मेदारी है। वहां पर भी नियमित रूप से सफाई करवाएं।

सतनाली में बिजली गुल, टेंशन फुल

- गहराई पेयजल की समस्या लोगों में आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सतनाली मंडी

सतनाली कस्बे में 12 घंटे से भी अधिक समय तक लगातार लगे बिजली कट से उपभोक्ता भारी परेशान रहे। उपभोक्ताओं ने बताया कि शनिवार की मध्यरात्रि पश्चात करीब दो बजे सतनाली में बिजली कट लगा और दिन में दोपहर बाद तीन बजे बिजली आपूर्ति बहाल की गई। लगातार 12 घंटे से भी अधिक समय तक बिजली कटने से पहले से ही कस्बे के अधिकतर क्षेत्रों में पेयजल की समस्या से जूझ रहे लोगों की परेशानी को और बढ़ा दिया। उमस गर्मी गर्मी ने भी लोगों को परेशान रखा। उपभोक्ताओं ने बताया कि शनिवार को भी दिन में बिना पूर्व सूचना के दोपहर में लगातार दो घंटे से भी अधिक समय तक बिजली कट लगाया था। इसके अलावा भी अनेक बार बिजली कट लगा और जब पावर हाउस के नंबर पर संपर्क किया तो नंबर बंद मिला। उपभोक्ताओं में निगम की कार्यप्रणाली से रोष है। उपभोक्ता महेंद्र, सुरेश, संजय, ओमप्रकाश, नवीन, विनोद, जितेंद्र, नरेश, पवन, मुकेश, रोहताश, उमेद आदि अनेक लोगों ने बताया कि सतनाली में बिना पूर्व सूचना के जब मर्जी बिजली के लंबे अघोषित कट लगा दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि जब लंबे समय तक बिजली नहीं आने पर पावर हाउस में फोन किया तो नंबर बंद मिला। ऐसे में लोगों का पूरा दिन बिजली आने के इंतजार में बीत गया। 12 घंटे से भी अधिक समय तक लगातार बिजली कटने से बिजली आधारित कार्य ठप्प रहे। उमस भरी गर्मी में लोग परेशान रहे। पेयजल की समस्या गहरा गई और लोगों के इन्वर्टर जवाब दे गए। दोपहर बाद तीन बजे बिजली आपूर्ति बहाल हुई। उन्होंने बताया कि कस्बे को जगमग योजना में शामिल किए जाने के बाद से बिना पूर्व सूचना के जब मर्जी लंबे बिजली कट लगा दिए जाते हैं। उपभोक्ताओं ने सतनाली को पुनः सीटी फीडर बनाने और समस्या के स्थायी समाधान करने तथा किसी कारण से लंबे समय तक बिजली काटने की सूचना पहले से जारी किए जाने की मांग की, ताकि अनावश्यक परेशानी से निजात मिल सकें।

धरना स्थगित करने के बाद पार्षद वार्डों का दौरा कर करवा रहे समस्याओं से अवगत

नप की ढुलमुल कार्यशैली को उजागर करने के लिए पार्षदों ने किया वार्डों का दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नप पार्षदों का धरना स्थगित करने के बाद लगातार वार्डों का दौरा कर वार्ड की समस्याओं से अवगत करवा रहे है। इसी कड़ी में नप पार्षदों ने रविवार को नगर परिषद की ढुलमुल कार्यशैली को उजागर करने के लिए वार्ड नंबर 11, 13, 14 व 15 का दौरा किया। इस दौरान वार्ड नंबर 11 के पार्षद प्रतिनिधि अनिल यादव ने बताया कि उनके गांव कोजिंदा के मुख्य प्रवेश मार्ग पर जरा सी बरसात आते ही सब कुछ जलमग्न हो जाता हैं। जिससे आवागमन शून्य हो जाता हैं। वहीं गांव के बड़े शिव मंदिर के आगे भी यहीं हाल हैं, काफी समय से सीवरेज ओवरफ्लो बहता हैं, जिससे वहां की सारी सड़क धंस चुकी हैं। जिससे लगातार लोग गिरते रहते हैं। कई बार अवगत करवाने के बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा।

इसके बाद नप पार्षद वार्ड नंबर 13 में पहुंचे। जहां पर पार्षद प्रतिनिधि अरुण यादव ने बताया कि पानी की निकासी ना होना, उनके वार्ड की सबसे बड़ी समस्या हैं। पानी के एक जगह जमा रहने के कारण उनके वार्ड में दो जगह पूरी दीवार गिर गई। वहीं दूसरी ओर गांव में प्रवेश करने के मुख्य मार्ग तथा श्मशान में जाने वाला मुख्य मार्ग एकदम धंस गया हैं। वहीं वार्ड नंबर 14 के पार्षद राजेंद्र टिंकू ने बताया कि वार्ड में श्मशान घाट के मार्ग पर पिछले एक सप्ताह से पानी जमा हैं। जिसके बारे में अनेक बार नगर परिषद में इंजन से पानी आगे निकालने के लिए वह व्यक्तिगत रूप से बोल चूका हूं, लेकिन नगर परिषद अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। वहीं धोबी जोहड़ भी पूरा भर चुका हैं, उन्होंने कहा कि अगर जल्द समाधान नहीं किया गया तो पूरी बस्ती में पानी भर जाएगा।

इस दौरान वार्ड नंबर 15 के पार्षद देवेंद्र ने बताया कि वार्ड की प्रमुख समस्या तीजों वाली पहाड़ी पर पीने के पानी की हैं। वहां के सभी लोगों को पहाड़ी के नीचे से पानी भर के लाना होता हैं। एस्टीमेट बनने के बाद भी वार्ड के जरूरी कार्य को राजनैतिक द्वेष के कारण नहीं होने दिया गया। वहीं मोहल्ला कोलियान में सीवरजे का पानी जमा होने से लोग परेशान हैं। वहीं गंदा पानी जमा होने के कारण लोग मंदिर भी नहीं जा पाते है तथा बेहद बदबूदार माहौल में रहने को जनता विवश हैं।

नारनौल। वार्ड में जमा पानी। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। धंसा श्मशान को जाने वाला रास्ता। फोटो : हरिभूमि

फ्रीडा खामोश रहने लगी थी

1954 आते-आते फ्रीडा खामोश रहने लगी। उसके फेफड़ों की नलियां खराब हो चुकी थीं। एक दिन सुबह के छह बजे जब नर्स उसके कमरे में आई तो उसने देखा फ्रीडा की आंखें खुली हुई हैं। मौत से पहले उसने अपनी डायरी में अंतिम बार लिखा-मुझे आशा है कि मेरा अंत सुखद होगा और मैं लौटकर वापस कभी नहीं आऊंगी। 14 जुलाई को छह सौ से अधिक लोगों ने उसे अंतिम विदाई दी। उसे ऑटोमैटिक कॉर्ट पर रखा गया। अवन के दरवाजे खुले और फ्रीडा की मृत देह आग की तरफ गई। उसके बाल जलने लगे, लेकिन लोगों ने देखा उसका चेहरा सूरजमुखी के फूल की मानिंद खिल गया था जिस पर मुस्कुराहट थी।

उजालों में छुपी लड़की फलक का रंग-रोशन कर गई.....

जयंती विशेष | गीता यादव

फ्रीडा का समूचा जीवन एक फंतासी की मानिंद रहा। अपने छोटे से जीवनकाल में उसने नाउम्मीदी, उदासी, तन्हाई और बेवफाई जैसे कई बदरंग मंजर देखे। लेकिन बावजूद इसके उसने आशा और उम्मीद का दामन कभी नहीं छोड़ा। अंतिम सांस तक वह हंसती-खिलखिलाती रही और जिंदादिली के साथ दुनिया को अलविदा कहा।

छह जुलाई, 1907। मैक्सिको का उपनगर कोयोअकैन। बारिश की बूंदों से नहाई एक सुबह। फ्रीडा काहलो बारिश की बूंदों पर नन्हे-नन्हे पैर धरते हुए इस दुनिया में आईं थीं। बारिश की वे बूंदें, जैसे दुख बनकर उसके जीवन में सदा के लिए ठहर गईं। जो आंसुओं की शक्ल में उनकी आंखों से यदा-कदा बाहर आती रहीं। मिसेज मटिल्डा काल्डेरोन और मिस्टर गिलर्मो काहलो की तीसरी बेटी माग्दालेना कारमेन फ्रियदा (फ्रीडा) की पैदाइश के बाद से ही मां की सेहत गिरने लगी। नर्स की छाती से लगकर फ्रीडा ने मातृ सुख का अनुभव किया। फ्रीडा के जन्म के तीन साल बाद मैक्सिकन क्रांति की शुरुआत हुई, जिसका असर जल्द ही पूरे मैक्सिको में नजर आने लगा। गोरिल्ला आर्मी का आतंक बढ़ गया था। इसी आतंक के साए में फ्रीडा स्कूल जाने लगी। मैक्सिको सिटी के जर्मन प्राथमिक स्कूल में वह अपनी बहन के साथ जाती। बड़ी शरारती थी वह, लेकिन पढ़ाई में अव्वल। छह वर्ष की मासूम फ्रीडा एकाएक पोलियो की गिरफ्त में आ गई। उसका दायां पैर पतला हो गया। अपने पैरों को छुपाने के लिए उसने ऊंची एड़ी के जूते और लंबी रंगीन स्कर्ट पहननी शुरू कर दी। बच्चे उसे टूटी टांग वाली फ्रीडा कहकर उसका मजाक उड़ाते। धीरे-धीरे वह एकांतप्रिय होने लगी। घर में पाले गए जानवर उसके दिल के बेहद करीब होते गए। फिजूल की बातों से उसका ध्यान हटाने के लिए पिता ने उसे उसे चित्र बनाना सिखाया। समय बीतता रहा। फ्रीडा डॉक्टर बनना चाहती थी, इसलिए उसका दाखिला नेशनल प्रोप्रेटरी स्कूल में कराया गया। यह मैक्सिको का नामी-गिरामी स्कूल था। वहां उसकी मुलाकात एलेजेंड्रों गोमेज से हुई। जल्दी ही उनकी दोस्ती प्यार में तब्दील हो गई। 17 सितम्बर, 1925 को गोमेज के साथ घर लौटते समय उसकी बस एक ट्रॉली से टकरा गई। एक लोहे का सरिया उसके शरीर के अंदरूनी हिस्से को भेदता हुआ बाहर निकल गया। डॉक्टरों ने आशंका जताई की शायद वह मातृत्व सुख से वंचित रह जाएगी। कुछ समय अस्पताल में रहने के बाद वह घर वापस आ गई। पूरा जिस्म प्लास्टर से ढका था। ऐसे में गोमेज ने भी उसका साथ छोड़ दिया। फ्रीडा टूट गई थी। एक दिन पिता ने उसे ज़िंदगी का सबसे यादगार तोहफा दिया। कुछ ऑयल कलर्स, ब्रश और कैनवास देकर रंगों की दुनिया से उसका परिचय कराया। मां ने बढ़ई बुलाकर उसके पलंग को कुछ ऐसे तैयार कराया, ताकि वह लेटे-लेटे भी पेंटिंग कर सके। साथ ही पलंग के बीचों-बीच एक आईना भी लगाया, जिसमें वह अपनी छवि देखकर खुद से प्रेरणा ले सके। यहीं से फ्रीडा का आत्मचित्र बनाने का सफर शुरू हुआ।

पोलियो की गिरफ्त में

छह वर्ष की मासूम फ्रीडा एकाएक पोलियो की गिरफ्त में आ गई

मजाक

बच्चे फ्रीडा का खूब मजाक उड़ाते थे और अकेले में अपनी बेबसी पर वह रोती थी

अंतिम बार लिखा

मौत से पहले उसने अपनी डायरी में अंतिम बार लिखा-मुझे आशा है कि मेरा अंत सुखद होगा और मैं लौटकर कभी नहीं आऊंगी

फ्रीडा की कविता

मेरा प्यार

मैं अपनी जिंदगी में तुम्हारी मौजूदगी कभी नहीं भूलूंगी
क्योंकि तुमने मुझे तब संभाला, जब मैं तबाह हो चुकी थी
तुमने मुझे फिर से संपूर्ण बनाया
नहीं तो, मैं इस छोटी-सी धरती पर इतनी शान-ओ-शौकत से
अपने आपको कहां खड़ा कर पाती
अब समय नहीं है और दूर कुछ भी नहीं है
सिर्फ सच्चाई है, जो हमेशा से थी
अब जो नजर आता है, वह है जड़ें
जो बिल्कुल साफ नजर आती हैं
वो जड़ें हैं उस पेड़ की,
जो अब बड़ा हो चुका है और फल देने लगा है
तुम्हारे फल खुशबू देते हैं,
तुम्हारे फल रंग देते हैं जो कि खुशी से उग रहे हैं
और वो खुशी है हवा की और खिलने की
तुम उस पेड़ से अपनी दया दृष्टि कभी मत हटाना
जिसके लिए तुम एक सूरज समान हो
वो पेड़, जिसने तुम्हारे बीज को संजोकर रखा है
और मेरे प्यार का नाम है दिएगो।

1926 में पहला आत्मचित्र बनाया

फ्रीडा के बनाए आत्मचित्र कला-जगत के श्रेष्ठतम आत्मचित्रों में से एक हैं। 1926 में उसने पहला आत्मचित्र बनाया। उसने अपने चित्रों में चमकीले रंगों और मैक्सिकन लोक कला को भी प्रमुखता से उभारा। उसके चित्रों में मिट्टी की तरह घुलकर भाव की बाढ़ के साथ एकात्म हो जाने की अद्भुत क्षमता थी। उस समय जब फ्रीडा के चारों ओर नाउम्मीदी, उदासी और तन्हाई पसरी हुई थी और खुशी-चहक की लौ धुंधलाती जा रही थी, तब रंगों ने उसे आसरा दिया। धीरे-धीरे वह स्वस्थ होने लगी। उसने नेशनल प्रोपेटरी स्कूल में चित्रकारी औरक्ले-मॉडलिंग कोर्स में दाखिला लिया। फोटोग्राफर टीना मोदोत्री के जरिये वह यंग कम्युनिस्ट लीग से जुड़ी। एक दिन पार्टी के दौरान उसकी मुलाकात विश्व के मशहूर म्यूरल कलाकार दिएगो रिवेरा से हुई। दिएगो ने उसे मैक्सिको की सबसे पुरानी और मशहूर कला पर काम करने के लिए प्रेरित किया। जल्द ही यह मुलाकात दोस्ती से प्यार और फिर शादी तक पहुंच गई। 21 अगस्त, 1929 को दोनों का विवाह हो गया। दिएगो के साथ वह कुर्नेवाका आ गई और वहां उसने कुछ चित्र बनाए। 1930 में साल की शुरुआत में वह दिएगो के साथ सैन फ्रांसिस्को गई। वहां फ्रीडा ने ' फ्रीडा एंड दिएगो रिवेरा डबल पोट्रेट बनाया। पहली बार लोगों ने उसकी इस पेंटिंग को सैन फ्रांसिस्को सोसायटी ऑफ वीमेन आर्ट की छठी वार्षिक प्रदर्शनी में देखा और काम की सराहना की। इस बीच कई बार उसका गर्भपात हुआ, जिससे वह टूट गई। उसने संतान न होने के दुख को अपने चित्रों में उतारा। इस बीच वह दिएगो के साथ फिलाडेल्फिया और डेट्रॉइट गई, लेकिन उसे मैक्सिको के अलावा कोई जगह रास न आई। दोनों के बीच झगड़े बढ़ने लगे। 1939 में दोनों तलाक लेकर अलग-अलग रहने लगे। एक बार फिर फ्रीडा को सैन फ्रांसिस्को गोल्डन गेट अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी के ललित कला पैलेस में अपनी पेंटिंग समकालीन मैक्सिकन कला को दर्शाने का अवसर मिला। । उसके चित्रों में स्त्री के अस्तित्व और अंतर्मन की दुनिया उभर रही थी। इन चित्रों में उसकी एकाग्रता, गहराई और दर्द की अभिव्यक्ति चकित कर देने वाली थी।

और एक बार फिर वक्त बदला

वक्त बदला और एक बार फिर दिएगो ने उसके सामने शादी का प्रस्ताव रखा। फ्रीडा और दिएगो 8 दिसम्बर, 1940 को फिर विवाह के बंधन में बंध गए। फ्रीडा की शोहरत दूर-दूर तक फैल चुकी थी। वह उन 25 बुद्धिजीवी कलाकारों में से एक थी, जिन्हें शिक्षा मंत्रालय द्वारा मैक्सिकन संस्कृति की संगोष्ठी के लिए चुना गया था। 1940 में मैक्सिको सिटी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय अति चर्चित चित्र प्रदर्शनी के लिए मशहूर चित्रकारों के साथ उसके चित्रों को रखा गया।

पुरस्कारों, समितियों की सदस्यता व फेलोशिप की बाढ़ सी आ गई थी। बड़ी-बड़ी चित्र प्रदर्शनियों में उसके चित्रों की मांग होने लगी। उसे आट्र्स एंड साइंस के राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया। 1950 को फ्रीडा की रीढ़ की हड्डी में तकलीफ के कारण लंबे समय तक अस्पताल में रहना पड़ा। यहां वह दिएगो और बहन क्रिस्टीना के साथ खूब मस्ती करती। फिल्में देखती, चुटकुले सुनाती। कविताएं व डायरी लिखती। फ्रीडा के प्रशंसक लोला अल्वारेज ब्रावो ने उसके जीते जी एक बड़ी प्रदर्शनी लगाने का निश्चय किया। उस प्रदर्शनी को देखने सारा शहर उमड़ पड़ा था। फ्रीडा को एंबुलेंस में लाया गया।

यादों की रहगुज़र

- पूरे जीवन में फ्रीडा के तीस छोटे-बड़े ऑपरेशन हुए, लेकिन उसने जीने का हौसला कभी नहीं छोड़ा। फ्रीडा ने 200 पेंटिंग्स, ड्राइंग और स्कैच बनाए। इन में 143 पेंटिंग्स और 55 आत्मचित्र हैं।
- अस्पताल में डॉक्टरों की सख्त मनाही के बाद भी पेंटिंग बनाना जारी रखा। उसने रंगों की बजाय लिपस्टिक और आयोडीन का सहारा लिया।
- फ्रीडा ने पशु-पक्षियों के मूक संसार को अपने अपने कैनवास पर बड़ी ही खूबसूरती से जीवंत किया।
- फ्रीडा ने दोस्त से उपहार में मिली लाल डायरी को अपने सुख-दुख का साथी बनाया। इस डायरी पर जे.के. लिखा था।
- फ्रीडा के मृत शरीर को अवन में रखा गया तो उसके बाल जल रहे थे, लेकिन उसका चेहरा सूरजमुखी के फूल की मानिंद खिला हुआ था।

रागनी | डॉ. शील कुमार 'गंगा पुत्र'

पर्यावरण प्रदूषण

प्रदूषण नै सारे देश का, कर दिया भुण्डा हाल।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ, जै होणा सै खुशहाल ।।

छोट्टे-बड़डे सब शहरां मैं,कारखान्यां की लाग्यी लैन।
इनमें माणस पैसण लाग रे,फेर भी मन मैं कोन्या चैन ।
पशु-पक्षी भी मरते गैल,बैच्छगे सारै जाल।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

स्याही तै भी काल्आ धुमा,छोड़ैं सैं ये मोटर कार।
शोर-शराबा खूब करैं सैं,कारखाने और मोटर कार ।
जंगल कटगे ना बसाती पार,[illegible]गा होया बेहाल।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

वायु मंडल होया प्रदूषित, जल भी कोन्या साफ रह्या।
खाण पीण की सब चीजआं मैं,देखो कितना जहर होया।
धरती मां पर बोझ होया, इब्ब करणा होगा ध्यान।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

इन्ह शहरां तैं दूर ले चालो, मैं गाम देखणा चाहूं सूं ।
नदी,जलाशय और झरण्यां की, जलधार देखना चाहूं सूं ।
मैं शील नै समझाऊं सूं ,पर्यावरण का करल्यो ध्यान।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

प्रदूषण नै सारे देश का, कर दिया भुण्डा हाल।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ, जै होणा सै खुशहाल।।

रागनी | सत्यवीर नाहड़िया

राग हुवैं छै-तीस रागनी, कोये छत्तीस गिणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये,रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

कळी अर तोड़ हुवैं सैं, इसकी धड़कण प्यारी।
कई तरां की कळी बतायी,
हो ताल-तरज न्यूँ न्यारी।
गावण की न्यारी लयकारी,ये तिन्नूँ खास बणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा अर चोगरदे नै,ये सदा गूँजती आयी।
माँग साँग की भोत कदे थी,आ[illegible]टकड़ छायी।
वही रागणी पूरी पायी,जो कसौ[illegible]द म्हं जावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

गाम-गाम म्हं मिलैं गवैये,साज बजावैं न्यारे।
ढोलक-पेट्टी घड़वा-बैंजू,ताल मिलावैं सारे।
कथ कै गाग्ये बड्डे म्हारे,इब कौण उसी रच पावैं?
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा के सांगी-गायक,खूब दूर लग छाये।
कह 'नाहड़िया' कलमतोड़ वै, न्यारे इतिहास बणाये।
गावण के घर दूर बताये,पर रोज भतेरे गावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

बातचीत | प्रोसेसिंग तकनीकी से ताजा फल विपणन, सूखाकर खेलड़ा बनाना, बीज, जैम व कैच-अप जैसे घरेलू उत्पादों को बढ़ावा देंगे चचेरे किसान भाई

ऑर्गेनिक फ्रूट ककड़ी व मतीरी से लाखों का मुनाफा कमाया

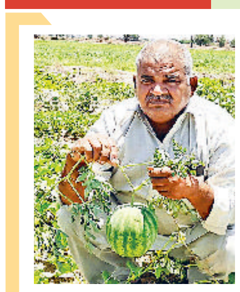

लागत

कम लागत में प्राकृतिक फूट की खेती से मालामाल

बचाव

कीड़ों से बचाने के लिए नीम की फली से तेल बनाते हैं

उत्पाद

ककड़ी के गूदे से कैच-अप, जैम कर सकते हैं तैयार

किसान | दलबीर सिंह भूना

जांडलीखुर्द गांव के दो किसानों ने मिलकर तीन साल पहले पांच एकड़ रेतीली बैरानी खेत में ऑर्गेनिक फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की खेती शुरू की थी, जिन्होंने कम लागत में प्राकृतिक फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की हजारों क्विंटल फसल बेचकर मालामाल हो गए हैं। वजीर सिंह पूनिया व नवीन पूनिया ने बताया कि चार वर्ष पहले पानी के अभाव में परंपरागत खेती पर्याप्त नहीं हो पाती थी। अब ऑर्गेनिक फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की खेती से प्रति एकड़ 70 हजार से लेकर एक लाख के बीच में बचत हो रही है। क्योंकि बिजाई के बाद खर्चा नहीं है और ज्यादा पानी की जरूरत नहीं होती।

ऐसे करते हैं रोगों का बचाव

किसान वजीर सिंह पूनिया ने बताया कि फूट ककड़ी को जंगली छिपकली, गिलहरी व पक्षियों तथा नील गायों से नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। ऐसे में ज़रूरी है कि बुआई के बाद और फल आने के समय फसल की रखवाली करें। पौधों में लाल व ऐपीलेकना भंग, सफेद व फल मक्खी और रस चूसने वाले कीटों के प्रकोप की आशंका बनी रहती है। इनसे बचाव के लिए खेत से ऑर्गेनिक सब्जियों की खेती शुरू की थी। फसल को कीड़ों से बचाने के लिए नीम की फली से तेल बनाकर उसका उपयोग में लिया और बाद में गोमूत्र में पानी मिलाकर उसका छिड़काव से किया। नीम पत्ती चूर्ण को 10 किलोग्राम राख के मिश्रण को टाट की थैली में भरकर सुबह के समय पौधों पर भुरकाव करें। इस खेती में खाद के रूप में गोबर की सड़ी हुई खाद और फसल के सड़े हुए अवशेष डालकर काम लिया गया। दोनों किसानों ने फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की ऑर्गेनिक खेती में शामिल कर लिया है।

कई उत्पाद हो सकते तैयार

वजीर सिंह ने बताया कि फूट ककड़ी के पके फलों को ज्यादा दिनों तक ताजा सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। इसलिए तुड़ाई के बाद लंबे समय तक उपयोग में लाने के लिए इनकी प्रोसेसिंग किसान कर सकते हैं। फूट ककड़ी के फलों के गूदे से कैच-अप, जैम एवं निर्जलीकरण (सुखाना) से खेलड़ा तथा बीजों से गिरी तैयार की जा सकती है। इस तरह से घरेलू स्तर पर मूल्य संवर्धन से स्वरोजगार और लाभ प्राप्त किया जा सकता है। फूट ककड़ी उत्पादन और प्रोसेसिंग से ताजा फल विपणन, खेलड़ा बनाना, बीज, जैम व कैच-अप से लाखों की आय प्राप्त की जा सकती है।

विशेषज्ञ की राय

फूट ककड़ी गर्म और शुष्क मौसम की फसल है, इसलिए रेतीले बैरानी जमीन का वातावरण इसकी खेती के लिए उपयुक्त है। यह फसल 35-40 डिग्री तापमान में भी उग जाती है। बीजों के अंकुरण के लिए 20-22 डिग्री सेल्सियस और पौधों व फलों के विकास के लिए 32-38 डिग्री तापमान की ज़रूरत होती है। इसकी खेती के लिए रेतीली व बलुई-दोमट मिट्टी उपयुक्त हैं। 6.5-8.5 तक पी.एच. मान वाली कम उपचाऊ मिट्टी में भी फूट ककड़ी की खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है।

-डॉक्टर श्रवण कुमार
जिला बागवानी अधिकारी, फतेहाबाद

देहात से कम होता जा रहा है देसी लोक पेयों का चलन

◆ स्वास्थ्यवर्धक पेय छाछ या लस्सी विलुप्ति की ओर ◆ बोतलबंद पेय पदार्थों ने देसी पेयों को गुमशुदगी के दौर में पहुंचाया ◆ छाछ को बिना पैसे की दवाई कहा जाता

रहन सहन | डॉ दयानंद कादयान

आज भौतिकता और बाजारवाद में हरियाणा के देहात से प्राकृतिक खेती और सेहतमंद भोजन को कम किया है। आधुनिकता व रेडिमेड संस्कृति ने गांव देहात के देसी पेयों छाछ, दही, शिकंजी व राबड़ी से भी आम जनमानस को दूर कर दिया है। आधुनिक बोतलबंद पेय पदार्थों के हमले ने देसी पेयों को गुमशुदगी के दौर में पहुंचा दिया है। देहात में सर्वसुलभ और स्वास्थ्यवर्धक पेय छाछ या लस्सी या सीत भी अब विलुप्ति की ओर जा रहा है। अब उनके स्थान पर कोका-कोला, ड्यू व कैंपा आदि ने ले लिया है, जो सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक है। रेडिमेड पेयों ने सीत, रबड़ी सत्तू व शिकंजी को गौण स्थानों पर पंहुचा दिया है।

बेशक ये देसी पर पदार्थ गौण अवस्था में पहुंच गए हों। पुरातन काल से हरियाणा के गांव देहात में परंपरागत पेय पीने की रिवाज रही है। हमारे बड़े-बड़ेरे जानते थे कि गर्मियों में हमारे शरीर को ठंडाई की बड़ी जरूरत रहती है, क्योंकि ज्येष्ठ, आषाढ़ की गर्मी से निकलने वाले पसीने से मनुष्य का शारीरिक, मानसिक संतुलन गड़बड़ा जाता है। पसीने के माध्यम से शरीर से लवण और विटामिन निकलते रहते हैं। शरीर में जलापूर्ति के लिए अच्छे पेय पदार्थों की जरूरत पड़ती रहती है। पारंपरिक पेय शरीर में शारीरिक, मानसिक तृप्ति भी करते हैं। वहीं गर्मी के प्रकोप से होने वाले रोगों से हमारे शरीर को बचाए रखते हैं। हरियाणा प्रदेश के घर-घर में गाय भैंस आदि दुधारू पशु बहुतायत में पाए जाते थे। हमारे खेती-बाड़ी का आधार पशुपालन रहा है। इन दुधारू पशुओं के दूध से छाछ व दही आदि तैयार किए जाते थे। छाछ व दही के लिए कलेवारी सी दूध को कढावणी में डालकर हारे में गर्म होने के लिए रखा जाता था। शाम को दूध की मलाई में गाढ़ा कढ़ा दूध बिलौनी में डाला जाता था। इसके बाद शाम को दूध भी कढावणी में मिलाकर के उसमें जामन मिलाया जाता था। जामन में लैक्टोबैसिलस जीवाणु होते थे जो दूध को दही या छाछ में बदल देते है। ये सारी की सारी किण्वन क्रिया विज्ञान पर आधारित होती थी। तैयार दूध को घर की बूढ़ी बड़ेरी बड़े जतन से रई डालकर मुंह अंधेरे मथती या बिलौती थी। गांव देहात में सुरमय स्वर लहरी गूंज उठती थी। इसके साथ-साथ लोक लकड़ी भी गाई जाती थी:-***गजर-मजर दूध बिलोवै,***

***गुजरी का बच्चा रोवै। रौवै सै तो रोवन दे,
मैंने दूध बिलोवण दे।***

विलोए हुए दूध से घी निकाला जाता था,जिसे नूणी घी कहा जाता था। इसके अलावा बिलौनी में जो तरल पदार्थ शेष रह जाता, उसे छाछ या लस्सी या सीत कहा जाता था।ये लस्सी लूओ वाली गर्मी में ठंडक का आनंद देती थी। देहात में एक कहावत भी प्रचलित है कि काणी दादी शीतघालिये, लखण तो ईसा करै सै आक तेरै दूध घाल दूं।फिर भी छाछ हरियाणवी लोकोक्तियों,कहावतों, जकड़ियों में विशेष रूप से गाया जाता है। छाछ के फायदे अनगिनत है।छकछ हमारे देहाती भोजन का मूलाधार है।लस्सी या छाछ देहात में केवल पेय नहीं है, अपितु बहुत सारी सब्जियां चटनी, रायता,कढी व भुजी छाछ के दम पर बनती है। गांव में यह कहावत भी प्रचलित है किर पतली सी छाछ, खाटे से भी जाए।यानी खाटा की तरकारी व राबड़ी लस्सी से ही बनती है।इसके अलावा कोई भी छाछ से ही तैयार होती है।साथ में सभी अमीर गरीब का सांझा होता है। यह एक तरह का सांझला या समाजवादी पेय पदार्थ होता है, जो गांव में एक दूसरे को हर रोज बांटा जाता रहा है। हाली पाली मुंह अंधेरे ही अपने खेतों व जंगल को निकल चुके होते हैं।घर की महिलाएं छाछ रोटी लेकर खेतो में छकियारी बनकर पंहुचती हैं। छाछ राबड़ी और रोटी जंगल में मंगल कर देती हैं। देहात में यह ब्रेकफास्ट नही अपितु इसे काम छोड़ या कल्लेवारी का भोजन कहा जाता था।

देहात में छाछ को बिना पैसे की दवाई कहा जाता है क्योंकि शरीर में प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करके शरीर के स्वाभाविक विकास में सहायता देती है। यही कारण है की देहाती लोग छाछ को अमृततुल्य मान कर भोजन के साथ इसका इस्तेमाल करते हैं। छाछ निःशुल्क खट्टी मीठी औषधि का कार्य भी करती है। देहाती लोगों का मानना है कि छाछ के नियमित सेवन से राहचुंधा रोग नहीं होता। इसमें विटामिन ए की मात्रा पर्याप्त बताई जाती है, जो आंखों की रोशनी बढ़ाने में सहायक होती है। छाछ शरीर में बनने वाले यूरिक एसिड का दमन करती है इससे कफ, वात पित्त रोगों का नाश होता है। आज रेडिमेड संस्कृति ने हमारे पुरातन लोकपेयों को पर्दे के पीछे धकेल दिया है तथा आधुनिक बोतल बंद शीतल प्रयोग की बाढ़ आ गई । इन बोतलबंद पेय पदार्थ से की जाती है ,जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। हम आधुनिक पेयों को तो पसंद करते हैं लेकिन दही से बने पेयों की उपेक्षा कर रहे हैं। आओ हम अपने परंपरागत लोक पेयो सीत, रबड़ी, सत्तू व शिकंजी को दोबारा प्रचलन में लाएं ताकि हमारे सेहत ज्यों की त्यों बनी रहे।

छाछ-राबड़ी का चोली दामन का साथ

देहात में छाछ -राबड़ी का चोली दामन का साथ रहा है। वैसे भी इस प्रदेश के देहात में रावड़ी को केवल ग्रीष्म ऋतु का अमृत माना जाता है। देहात में मुख्तया जौ तथा बाजरे के आटे की राबड़ी बनाई जाती है,जिसे गर्मी का अमृत मान जाता है। राबड़ी का सेवन अक्सर प्रातः काल में ही किया जाता है। जौ से बनाई जाने वाले रबड़ी को देहात में ग्हार की रबड़ी का जाता है। जो बाजरे के आटे से बनी राबड़ी से अधिक शीतल और सुपाच्य होती है। प्रात राबड़ी के सेवन से वायु प्रकोप में कमी व संतुष्टि आ जाती है। अधिक अम्ल और पाच्य रसों को अवशोषित करती हुई, इसका आसानी से निष्कासन होता है।

खबर संक्षेप

चोरी के दो आरोपी लिए रिमांड पर

रेवाड़ी। थाना कसोला पुलिस ने चोरी के एक मामले में दोआरोपियों को कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लेने के बाद एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस ने थाना क्षेत्र में हुई वारदात के बाद गत वर्ष 17 नवंबर को चोरी का केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में जेल में बंद गुरूग्राम के बसई धनकोट निवासी नदीम और बिहार के सुंदरगासा निवासी मुकेश कुमार को प्रोडक्शन वारंट पर जेल से लाकर कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों को एक दिन के रिमांड पर लिया गया है।

धोखाधड़ी का आरोपी चार साल बाद काबू

रेवाड़ी। आर्थिक अपराध शाखा की टीम ने धोखाधड़ी के एक आरोपी को करीब 4 साल बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस ने धोखाधड़ी से पीड़ित की शिकायत के आधार पर 10 जुलाई 2018 को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। धारूहेड़ा थाने में केस दर्ज करने के बाद जांच आर्थिक अपराध शाखा को सौंपी गई थी।

प्रभातफेरी संगठन ने निकाली भगवान श्री जगन्नाथ महाराज की भव्य यात्रा

बिन पानी के नाव खे रहा है, वो नसीबो से ज्यादा दे रहा है भजनों पर झूमें श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। भगवान श्री जगन्नाथ महाराज की यात्रा निकालते श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

शहर की धार्मिक एवं सामाजिक संस्था प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को श्री जगन्नाथ रथ यात्रा के उपलक्ष्य में भव्य श्री जगन्नाथ महाप्रभु की यात्रा का आयोजन किया गया। यह प्रभात फेरी अग्रसेन कॉलोनी गली नंबर दो रेलवे रोड से आरंभ हुई। जिसकेमुख्य यजमान गोपाल गर्ग ने भगवान का पूजन अभिषेक किया। प्रभात फेरी संगठन के संस्थापक घनश्याम गर्ग के नेतृत्व में निकाली गई। इस अवसर पर प्रभात फेरी संगठन के सदसय चेतन जिंदल ने श्री कृष्ण गोबिंद हरे मुरारी हे नाथ नारायण वासुदेवा, अनिल लक्खा ने बिन पानी के नाव खे रहा है, वो नसीबो से ज्यादा दे रहा है, महेश ने बंसी डी बजाके श्याम ने दीवाना कर दिया आदि भजनों से उपस्थित महिलाओं व पुरुषों को झूमने पर मजबूर कर दिया। प्रभात फेरी एवं रथ यात्रा मुख्य यजमान के निवास स्थान से आरंभ होकर राजीव चौक, काठमंडी, लोहा मंडी, अग्रसेन चौक होते हुए पुनः आरंभ स्थल पर पहुंचकर संपन्न हुई। काठमडी में सौरभ गोयल ने भगवान की आरती कर प्रसाद वितरण किया। अग्रसेन चौक पर वासुदेव सिंघल ने ठाकुर जी की आरती कर प्रसाद वितरित किया। संस्था के संरक्षक चेतन जिंदल ने बताया कि प्रभात फेरी जिस मार्ग से निकल रही थी, वहां पर नगरवासी बड़ी उत्सुकता से ठाकुर का स्वागत कर रहे थे। संस्था के सदस्य राकेश पटवारी ने बताया कि प्रभात फेरी संगठन शहर की एकमात्र संस्था है, जिसमें प्रभात फेरी में ठाकुर जी को अर्पित होने वाली समस्त धनराशि शहर की गौशालाओं में गौमाता की सवामनी में इस्तेमाल की जाती है। संगठन के वरिष्ठ सदस्य संदीप गोयल ने बताया कि गौमाता की सेवा करने से इंसान के सभी विकार दूर होते हैं और उसके जीवन में आई हुई बाधाएं गौमाता हर लेती है। संगठन के वरिष्ठ सदस्य सुभाष गर्ग ने कहा है कि राधा नाम लेने से मनुष्य कर्म बंधन से मुक्त होकर भगवान के परमधाम को प्राप्त करता है। इसलिए हमें प्रभात फेरी में भाग लेकर प्रभु नाम का सुमिरन करते रहना चाहिए। इस मौके पर मयंक गर्ग, चेतन जिंदल, अनिल लखखा, हेमंत अग्रवाल, महेश, मुकेश, अनिल गर्ग, सीताराम चौबे, पवन कुमार गुप्ता, जोगिंद्र अग्रवाल, सुभाष गर्ग, विनय अग्रवाल, साहिल बंसल, राकेश अग्रवाल, वासुदेव सिंघल, सुमंत बंसल, संजय गोयल, हेमंत गुप्ता, सतीश शर्मा, सुनील शर्मा, अमित गोयल, भूपेश संघी, सुनील मराठा, विनोद मराठा, गौतम शर्मा, राजीव पटीकरा, सोमदेव शर्मा, ओमप्रकाश नागर, सुरेश मास्टर, ओमप्रकाश कोकचा, सतीश शर्मा, नवीन जैन, दीपचंद, राजकुमार, संजय कुमार, राकेश पटवारी, रजनी गर्ग, सुनीता देवी, जया देवी, बबीता गर्ग, मोनिका, सुनीता, ललित, मधु, बबीता, ममता गोयल, रश्मि गोयल, पुष्पा गोयल, अंबिका, पूजा आदि मौजूद थे।

नारनौल। प्रभात फेरी निकालते संगठन के लोग व शहरवासी। फोटो : हरिभूमि

राधा कृष्ण संगठन ने निकाली प्रभातफेरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

श्री जगन्नाथ जी की यात्रा के पावन पर्व पर राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 77वीं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया।

यह फेरी यजमान अशोक कुमार चौधरी, राकेश चौधरी के निवास स्थान से प्रारंभ होकर मोहल्ला देवस्थान से बड़ी सड़क होते हुए मान जिम, प्रमोद संघी के मकान, पुस्तक गली, मानक चौक से आजाद चौक होते हुए एबीएम स्कूल के पास से परिक्रमा करके यजमान के निवास स्थान पर ही संपन्न हुई। सर्वप्रथम यजमान ने परिवार सहित ठाकुर जी की आरती कर सभी धर्म प्रेमी बंधुओं को चंदन का तिलक लगाया।

सैकड़ों की संख्या में पहुंचे पुरुष, महिलाएं व बच्चों ने ढोल नगाड़ों की थाप पर राधे-राधे का गुणगान किया। श्री जगन्नाथ यात्रा की तरह अनुभव करते हुए राधा संकीतन रथ के साथ नाम जाप करते हुए परिक्रमा मार्ग में लोगों ने नाच गाकर वातावरण को गुंजायमान कर दिया। इस दौरान अपने घर से निकलने में असमर्थ व बच्चों ने अपने दरवाजे पर आकर राधे-राधे नाम का स्मरण किया।

पौधरोपण करके पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में योगदान दें युवाः बिरेंद्र सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। सनराइज स्कूल में विद्यार्थियों को पौधरोपण वितरित करते शिक्षक।

सनराइज सीनियर सेकेंडरी स्कूल चौधरी में वन महोत्सव कार्यक्रम प्राचार्य महेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें व्यवस्थापक बिरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को छांयादार पौधे वितरित किए और पर्यावरण की स्वच्छता में पौधों की उपयोगिता से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि पौधों की उपयोगिता से सभी अवगत हैं,ए बावजूद संरक्षण में सकारात्मक योगदान नहीं देते। पौधारोपण करते हैं, लेकिन देखभाल नहीं करते। जिस कारण हरियाली का रकबा घटने से पर्यावरण की स्वच्छता प्रभावित होना शुरू हो गई। कैंसर, दमा, एलर्जी, टीबी व अन्य बीमारियों का प्रकोप बढ़ने लगा है। बचाव के लिए पौधारोपण व पौधों की देखभाल करना अनिवार्य हो गया है।

उन्होंने विद्यार्थियों को अपने जन्मदिन पर एक पौधा अवश्य लगाने का संदेश दिया। कहा कि इससे शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा तथा प्रकृति को सुंदर बनाने में मदद मिलेगी। इस मौके पर विद्यार्थियों से प्रांगण में पौधारोपण करवाकर उन्हें देखभाल करने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

यदुवंशी की आईकेनडू परीक्षा में विद्यार्थियों ने दिखाया भारी उत्साह

- परीक्षा में 5606 विद्यार्थियों ने लिया भाग, चयनित विद्यार्थियों की ट्यूशन एवं हॉस्टल फीस रहेगी नि:शुल्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। स्कॉलरशिप परीक्षा में भाग लेने आए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी शिक्षा निकेतन की आईकेनडू स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न स्कूलों से कक्षा नौंवी से बारहवीं तक 5606 विद्यार्थियों ने विशेष रूप से भाग लिया। पूरे प्रदेश की प्रतिभाओं ने भाग लेकर इस परीक्षा को सफल बनाया, जिससे भारी भीड़ के रूप में पूरा स्कूल परिसर दिखाई दिया। अभिभावकों ने विद्यालय के प्रति आस्था जताते हुए अपने-अपने बच्चों को परीक्षा दिलवाई। विद्यार्थियों ने निष्ठा व भारी उत्साह के साथ उक्त परीक्षा दी।

छात्रवृति में चयनित विद्यार्थियों की ट्यूशन एवं छात्रावास फीस बिलकुल फ्री रहेगी तथा विद्यार्थी हॉस्टल में रहकर अपनी पढ़ाई करेंगे। सुपरब-100 परीक्षा का आयोजन यदुवंशी ग्रुप के महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी, नारनौल, हांसी तथा गुरुग्राम सेक्टर 92 में हुआ। परीक्षा में 90 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए, जिसमें विद्यार्थियों को कम से कम 80 प्रतिशत अंक प्राप्त करने अनिवार्य हैं। यदुवंशी ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव ने कहा कि यह परीक्षा उन सभी विद्यार्थियों को लाभांवित करेगी जो अपनी-अपनी कक्षाओं में मेधावी रहे हैं। सुपरब-100 परीक्षा का अयोजन एक अच्छी प्रक्रिया है, जिसमें विद्यार्थी लाभान्वित होकर शिक्षा द्वारा एक सर्वोत्तम मुकाम हासिल करेंगे। यदुवंशी ग्रुप के डायरेक्टर डॉ. राजेन्द्र सिंह ने कहा कि यह सुपरब-100 योजना विद्यार्थियों के लिए एक सुनहरा अवसर है, जिसमें वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपनी 12वीं तक की शिक्षा निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं और नीट, आईआईटी, जेईई, एनडीए, सिविल सर्विसिज, सीए, क्लेट जैसी परीक्षाओं में सफलता अर्जित कर सकते है।

वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव एवं चेयरपर्सन संगीता यादव ने बताया कि यदुवंशी शिक्षण संस्थान प्रारंभ से ही शिक्षा के प्रति सजग है। अभिभावकों के आर्थिक बोझ को मद्दे नजर रखकर प्रतिभावान विद्यार्थियों के सुखद भविष्य के लिए यह सुपरब-100 योजना शुरू की है जो अपने उद्देश्य में कारगर सिद्ध होगी। यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि वास्तव में बच्चे ही भावी राष्ट्र निमार्ता हैं।

यदुवंशी जहां समय-समय पर नए स्कूलों की स्थापना कर शिक्षा के क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित कर रहा है, वहीं उनको स्कॉलरशिप प्रदान कर प्रतिभावान विद्यार्थियों का भविष्य संवार रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि यह सुपरब-100 योजना अभिभावकों के लिए मील का पत्थर साबित होगी जो अपने बच्चों को सफलता के शिखर पर देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वे शिक्षाहितार्थ अभिभावकों के साथ खड़े हैं।

श्री गो गोपाल गोशाला में लगाई गोवंश के लिए सवामणी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। गोवंश के लिए सवामण लगाते संस्था के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

श्री गो गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान के तत्वावधान में रविवार को आचार्य बजरंग शास्त्री के सानिध्य में श्री गोपाल गोशाला में गो पूजन कर गौ सवामणी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम पंडित मनीष शास्त्री ने मुख्य यजमान मुख्य यजमान जोगेंद्र अग्रवाल, जया अग्रवाल, कृष्ण गुप्ता, कुमुंद गुप्ता व मानसिंह सैनी, संस्था के सभी सदस्यों से श्री गणेश जी, नवग्रह सहित सभी देवी देवताओं का विधि विधान से पूजन करवाया। गौमाता की आरती कर गौ पूजन किया। इसके बाद हरी सब्जी, हरा चारा सहित खल, मेथी, गुड़, सरसों, तेल, नमक आदि मिलाकर सवामणी तैयार कर गौवंश को खिलाई। इस अवसर पर उपप्रधान सुरेश शर्मा ने बताया कि गाय के शरीर में सभी देवताओं का वास होता हैं। महेश भालोटिया ने कहा कि मनुष्य को कोई पुण्य का कार्य जरूर करना चाहिए। सभी वेदों एवं शास्त्रों का सार है कि परोपकार के समान कोई पुण्य नही है और दूसरों को दुख देने के समान कोई पाप नहीं हैं। संस्था के वरिष्ठ सदस्य वेदप्रकाश बंसल ने कहा कि गाय की सेवा करने से मनुष्य के अनेक प्रकार के दोष दूर होते व अलौकिक पुण्य की प्राप्ति होती है।

राकेश बंसल ने कहा कि विशेष शुभ अवसर जन्मदिन, विवाह उत्सव, विवाह की वर्षगांठ पर गौ सवामणी कर पुण्य की प्राप्ति अवश्य करनी चाहिए। सुरेंद्र गोयल ने बताया कि सवामनी के बाद चेक भी गोपाल गौशाला को भेंट किया गया। इस मौके पर राजकुमार वर्मा, सुधीर यादव, मनोज शर्मा, सोमदेव शर्मा, विकास अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, सावित्री देवी, रिचा बंसल, पिंकी अग्रवाल, मंजू शर्मा, निर्मल राज, मोनिका शर्मा, मंजू भालोठिया आदि मौजूद थे।

गोशाला परिसर में बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। बैठक करते संगठन के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

कर्मकाण्ड एवं ज्योतिष संगठन के सदस्यों ने रविवार को स्वर्गीय पंडित सुरेश जोशी डोहर कलां की पुण्य तिथि के अवसर पर सुभाष स्टेडियम के नजदीक स्थित गौ माता उपचार गौशाला में गौ पूजन कर गौ सवामणी का आयोजन किया।

सर्वप्रथम सभी सदस्यों ने श्री गणेश जीए, नवग्रह सहित सभी देवी-देवताओं का विधि विधान से गौ पूजन व आरती की। इसके उपरांत हरी सब्जी, हरा चारा सहित खल, मेथी, गुड़, सरसों, तेल आदि मिलाकर गऊओं को खिलाई। इस अवसर पर पं. राजेश शर्मा, पं. राहुल वशिष्ठ शास्त्री, सुरेंद्र पुजारी व पं. आनंद शर्मा ने कहा कि गाय के शरीर में सभी देवी-देवताओं का वास होता हैं। गौ सेवा करने से मनुष्य की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उन्होंने बताया कि सभी वेदों एवं शास्त्रों का सार है कि परोपकार के समान कोई पुण्य नहीं है और दूसरों को दुख देने के समान कोई पाप नहीं हैं। इस अवसर पर गोशाला परिसर में बैठक का आयोजन भी किया गया। पं. नवीन पाराशर ने बताया कि बैठक में शहर व आसपास के गांव के कर्मकाण्डी ब्राह्मण बंधुओं ने हिस्सा लिया और धर्म व सनातन संस्कृति को जीवित रखने के लिए अपने विचार व्यक्त किए। इसके साथ ही 17 जुलाई को आने वाली एकादशी पर भी विप्र बंधुओं ने प्रकाश डाला। इस अवसर पर आचार्य मनीष निर्मल शास्त्री ने बताया कि हिन्दू धर्म में एकादशी तिथि का सबसे विशेष महत्व होता है। यह दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु को समर्पित होता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस शुभ दिन पर श्री हरि क्षीर सागर में योग निद्रा के लिए चले जाते हैं और चार महीने बाद देवउठनी एकादशी के दिन जागते हैं। इन चार महीने में कोई भी मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। इस मौके पर यश शर्मा, रामगोपाल शर्मा, मनोज शर्मा, हर्षित शर्मा, राजेंद्र, योगेश शर्मा, भगवतदयाल, कैलाश आदि मौजूद थे।

विद्यार्थियों ने मां के नाम एक पौधरोपण करवाकर पर्यावरण संरक्षण रैली निकाली

नांगल चौधरी। पौधरोपण करते शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

नांगल चौधरी। सरस्वती पब्लिक स्कूल भोजावास में वन महोत्सव कार्यक्रम प्राचार्य राजेश कुमार की अगुवाई में संपन्न हुआ। जिसमें भाजपा के जिला प्रधान एवं संस्था के चेयरमैन दयाराम यादव ने विद्यार्थियों को मां के नाम एक पौधा लगाने का आह्वान किया। कहा कि इससे माता-पिता और संताव के बीच लगाव भी बढ़ेगा तथा प्रकृति की सुंदरता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि पौधारोपण करने मात्र से पर्यावरण स्वच्छ नहीं हो सकता, क्योंकि देखभाल के आभाव में 60 फीसदी पौधे बाल्य अवस्था में ही मर जाते हैं। उन्होंने कहा कि 20-30 फीसदी हरे पेड़ों की अवैध कटाई हो जाती है, जिस कारण हरियाली का रकबा नहीं बढ़ पाया है। इसके लिए युवाओं को स्वयं व अपने माता-पिता के जन्मदिन पर एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। पौधारोपण के बाद नियमित रूप से देखभाल करना नैतिक दायित्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नागरिकों को अपनी मां के नाम एक पौधा लगाने का संदेश दिया है। पौधों की आपूर्ति के लिए वन विभाग ने नर्सरी तैयार की है। इस मौके पर विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण रैली निकाली।

एक पौधा मां के नाम किया गया रोपित

मोदा आश्रम में पौधरोपण करते शहर के लोग।

महेंद्रगढ़। पर्यावरण संरक्षण प्रेमी एवं शिक्षाविद राजेश शर्मा झाड़ली ने अपनी धर्मपत्नी सुनीता देवी के प्रथम स्मृति दिवस पर समाज में उनके योगदान को सम्मान हुए पौधारोपण कार्यक्रम और गौशाला में हरा चारा खिलाने का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं शिक्षाविद व परिजन उपस्थित रहे। पिछले वर्ष सुनीता देवी का असामायिक निधन हो गया था, सुनीता की पर्यावरण संरक्षण, पानी संरक्षण और बेटी शिक्षा, नारी उत्थान, कोविड सेवा जैसी अनेक समय समय पर परिवार के साथ सेवा रही हैं। इस अवसर पर सुनीता की बेटी नैंसी और निखिल कुमार ने मां के समृति दिवस पर एक पौधा मां के नाम लगाया। नगरपालिका के प्रधान रमेश सैनी ने कहा कि सुनीता परिवार के लिए ही नही बल्कि समाज के लिए प्रेरणा एवं मजबूत कड़ी रही हैं, जिनके अथक योगदान के बल पर परिवार समाज और राष्ट्र के चिंतन से जुड़ी सेवा करता रहा है। सुनीता के योगदान को भुलाया नही जा सकता। कहा कि इस बार उनका पहला स्मृति दिवस प्रधानमंत्री के अभियान एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के साथ मनाया गया है। इस अवसर पर पार्षद राजेश सैनी, विजय इंटरनेशनल स्कूल के चैयरमैन विजय यादव टूमना, जितेंद्र शर्मा, अंकित दीवान, प्रवक्ता सुरेश शास्त्री, गौ सेवक प्रमोद शास्त्री, शैलेंद्र वर्मा, पूर्व पार्षद कृष्ण शर्मा, अमन दीवान आदि मौजूद थे।

हुडा सेक्टर में किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। सेक्टर में पौधरोपण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हुडा सेक्टर में रविवार को जन सहभागिता से बड़ी संख्या में पौधारोपण किया गया। जिसमें फलदार, छायादार एवं औषधिय पौधे लगाकर हुडा निवासियों ने प्रत्येक पौधे के संरक्षण की जिम्मेदारी ली। पर्यावरण संरक्षण के लिए राष्ट्रपति से सम्मानित डा. रामनिवास यादव ने इस पुनीत कार्य में सहभागिता करने वाले सभी महानुभावों को बधाई देते हुए कहा कि वर्तमान दौर में पौधारोपण की नितांत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एक पौधा प्रतिदिन 1700 किलोग्राम ऑक्सीजन छोड़ता है तथा 2200 किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड ग्रहण करता है। पूर्व प्राचार्य डा. सुमेर सिंह यादव ने सभी पर्यावरण प्रेमियों की प्रशंसा की तथा कहा कि पौधा मनुष्य का सबसे सच्चा मित्र होता है, इसलिए हम सभी को पौधों से दोस्ती करनी चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक अमरजीत सिंह बडेस़रा ने कहा कि हमें उपहार स्वरूप पौधा भेंट करना चाहिए तथा प्रत्येक खुशी के अवसर पर पौधारोपण करना चाहिए। इस मौके पर सेक्टर एसोसिएशन के उपप्रधान पूर्व शिक्षा अधिकारी रामावतार, जनरल सेक्रेटरी ब्रह्मदत्त, पूर्व हेडमास्टर नंदलाल, डा. रामनिवास, डा. सुमेर सिंह, अमरजीत सिंह बडेस़रा, संजय थानेदार आदि मौजूद थे।

सैनी सभा ने विद्यालय प्रांगण में लगाए पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। सैनी स्कूल में पौधरोपण करते हुए।

शहर की अग्रणी संस्था सैनी सभा की ओर से संचालित सैनी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देते हुवे हरित वसुंधरा आधार समिति के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण अभियान के अंतर्गत 101 अशोका के पौधे लगाए। हरित वसुंधरा समिति विगत पांच वर्ष से अधिक समय से निरंतर पर्यावरण संरक्षण, संवर्धन एवं जन जागरण अभियान का कार्य कर रही है। अभी तक 5500 से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल का कार्य कर रही है। समिति पौधे लगाकर छोड़ने के बजाय उनका वृक्ष बनाने में विश्वास रखती है। यह समिति पॉलिथीन बैग्स के खिलाफ अभियान चलाकर अभी तक 6000 मजबूत इको फे्रंडली बैग्स मुफ्त वितरित कर चुकी है। सभा की ओर से पौधारोपण कार्यक्रम के उपरांत समिति को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सैनी सभा के प्रधान बिशन कुमार सैनी ने बताया कि पर्यावरण की रक्षा हेतु अधिक से अधिक पौधे लगाना ही एक मात्र विकल्प है। अथवा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लेना होगा। पौधारोपण कार्यक्रम में विशेष रूप से पहुंचे सुरेशपाल सैनी पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ जिला संयोजक महेंद्रगढ़ ने बताया कि जहां पेड़-पौधों की संख्या ज्यादा होती है, वहां बरसात में अच्छी बारिश होती है। इस मौके पर सैनी सभा के उपप्रधान रोहतास सैनी, सचिव भारत सैनी, कोषाध्यक्ष बलवंत सैनी, कार्यकारिणी सदस्य रामनिवास सैनी, कैप्टन हरीश सैनी, मदनलाल सैनी, डा. राजकुमार सैनी, मास्टर नरवर सैनी, गौतम सैनी आदि मौजूद थे।

मानसून महोत्सव कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। चार्ली डांस एकेडमी की ओर से शनिवार देर सासं आयोजित मानसून महोत्सव कार्यक्रम एक मैरिज पैलेस में संपन्न हुआ। इस अवसर पर एकेडमी डायरेक्टर उमेश चौधरी ने बताया कि हर साल की भांति एकेडमी की ओर से मानसून महोत्सव मनाया गया। उन्होंने बताया कि एकेडमी की ओर से हर वर्ष मनाए जाने वाला यह 21वां मानसून महोत्सव है। जिसमें हर ग्रुप के बच्चों ने अपना डांस परफॉर्मेंस देकर सभी आए ऑडियंस का दिल जीत लिया। इस डांस महोत्सव का उद्देश्य क्षेत्र की डांस की प्रतिभाओं को एक उपयुक्त मंच उपलब्ध करवाना व आज की नई पीढ़ी को समाज में फैली बुराइयों से बचाना है। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सतीश शर्मा थे। अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी की महिला जिला अध्यक्ष भारती सैनी ने की। विशिष्ट अतिथि संयुक्त मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं टाईगर क्लब परिवार प्रधान राकेश यादव, भारत सैनी, प्रमोद तरेडिया थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सतीश शर्मा, अध्यक्ष भारती सैनी व विशिष्ट अतिथि राकेश यादव, भारत सैनी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सूचना

मैं, अमर चंद पुत्र श्री रामकुमार निवासी खुडाना, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ बयान करता हूं कि मेरा पुत्र जितेन्द्र तथा मेरी पुत्रवधु सोनिया मेरे तथा मेरी पत्नी मुन्नी देवी के कहने–सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन–देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरे व मेरी पत्नी की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

मिशन एडमिशन: पीजी में दाखिले के लिए कल से शुरू होगी प्रक्रिया, 25 जुलाई तक विद्यार्थी कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

15 से 27 जुलाई तक चलेगी दस्तावेज वैरिफिकेशन प्रक्रिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्रदेश की कॉलेजों में पीजी में दाखिले के शेड्यूल जारी कर दिया गया है। जिसके तहत दाखिले के लिए कॉलेजों में 12 जुलाई से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी। वहीं दूसरी ओर ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन में सेकंड तथा थर्ड ईयर में दाखिला आठ जुलाई को शुरू हो जाएंगे। जिसके लिए उच्चतर शिक्षा महानिदेशक ने सभी सरकारी कॉलेजों, सरकारी सहायता प्राप्त व निजी कॉलेजों के प्राचायार्ें को पत्र जारी दिशानिर्देश दिए हैं।

पीजी कॉलेज

30 जुलाई को जारी होगी प्रथम मेरिट लिस्ट, दो जुलाई तक जमा करवा सकेंगे फीस

उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से जारी किए गए शेड्यूल के अनुसार कॉलेजों में पीजी कोर्सों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया 12 जुलाई से शुरू होगी, जो 25 जुलाई तक चलेगी। इसके साथ-साथ पोर्टल में आवेदन करते समय हुई गलतियों के सुधार के लिए भी विकल्प दिया जाएगा। यह रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी के माध्यम से होगा। आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के दस्तावेजों की ऑनलाइन जांच 15 जुलाई से 27 जुलाई तक की जाएगी। इसके बाद 30 जुलाई को पहली प्रोविजन मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। इसके बाद पहली काउंसिलिंग में भाग लेने वाले विद्यार्थी दो अगस्त तक फीस जमा करवाकर दाखिला ले सकते है। वहीं इससे पहले सभी कॉलेजों को नौ से 11 जुलाई तक डीएचई के पोर्टल पर सीटों व कोसार्ें की फीस का ब्यौरा अपलोड करना होगा। बता दें कि इस बार हायर एजुकेशन विभाग पीजी कोर्स के लिए एक ही मेरिट लिस्ट जारी करेगा, जो 30 जुलाई को जारी की जाएगी। जिन छात्रों के नाम मेरिट लिस्ट में आएंगे, उन्हें दो अगस्त तक अपनी फीस जमा करवाकर दाखिला कंफर्म करना होगा। इसके बाद सीटें रिक्त रहने पर दाखिले फिजिकल काउंसलिंग के तहत होंगे।

सीट व कोर्स की जानकारी पोर्टल पर करेंगे अपलोड

इस बारे में पीजी कॉलेज के दाखिला नोडल अधिकारी डा. सतीश सैनी ने बताया कि पीजी कोर्स में दाखिले के लिए शेड्यूल जारी कर दिया गया है। सभी कॉलेज शेड्यूल के अनुसार अपने यहां उपलब्ध सीट व कोर्स की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करेंगे। इसके बाद 12 जुलाई से छात्र ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। वहीं यूजी में दाखिला लेने के लिए प्रथम मेरिट लिस्ट में शामिल विद्यार्थियों को नौ जुलाई तक फीस जमा करवानी है। इसके बाद दूसरी मेरिट लिस्ट 10 जुलाई को जारी की जाएगी।

ऐसे चलेगी दाखिला प्रक्रिया: उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से जारी शेड्यूल के अनुसार नौ से 11 जुलाई तक कॉलेज सीट व फीस की जानकारी साझा करेंगे। इसके बाद 12 से 25 जुलाई तक विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। वही 15 से 27 जुलाई तक दस्तावेजों की जांच की जाएगी। इसके 30 जुलाई को पहली मेरिट लिस्ट आएगी। लिस्ट में शामिल विद्यार्थियों को दो अगस्त तक फीस जमा करवानी होगी। वहीं पांच अगस्त को पहली मेरिट लिस्ट के बचे हुए छात्रों की फिजिकल काउंसलिंग होगी। छह अगस्त को सीटें रिक्त रहने पर ऑनलाइन एडमिशन पोर्टल फिर से खोला जाएगा। इसके बाद सात से 13 अगस्त तक100 रुपये विलंब शुल्क के साथ दाखिले होंगे। वहीं 14 से 23 अगस्त तक 100 रुपये प्रतिदिन की लेट फीस के साथ दाखिले लिए जा सकेंगे।

खबर संक्षेप

नारनौल। सुरेश कटारिया को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सुरेश कटारिया को किया सम्मानित

नारनौल। मनुमुक्त मानव मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से जयपुर राजस्थान के आयकर आयुक्त व भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी सुरेश कटारिया को सम्मानित किया गया। ट्रस्ट की ओर से सेक्टर-1 पार्ट-2 स्थित अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र मनुमुक्त भवन में आयोजित एक संक्षिप्त कार्यक्रम में ट्रस्टी डा. कांता भारती व चीफ ट्रस्टी डा. रामनिवास मानव ने उन्हें अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न व सम्मान पत्र भेंटकर सम्मानित किया।

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

कनीना। प्रत्येक व्यक्ति को सामाजिक जीवन में पौधे जरूर लगाने चाहिए। पेड़ शुद्ध ऑक्सीजन का भंडार व पृथ्वी का श्रृंगार भी हैं। यह बात गुढ़ा गांव में नम्बरदार सुनील कुमार ने मयंक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में पौधारोपण करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पेड़ हमारे मित्र हैं। जीवनभर वे हमारी जरूरतों को पूरा करते हैं। हमें जीवन में विभिन्न सामाजिक समारोह के आयोजनों पर पौधारोपण करना चाहिए। जिससे पर्यावरण संरक्षित रहेगा, वहीं प्राणवायु भी मिलती रहेगी।

गुर्जर धर्मशाला में रक्तदान शिविर 10 को

नांगल चौधरी। निजामपुर रोड पर स्थित गुर्जर धर्मशाला में 10 जुलाई को भाजपा नेता महेंद्र गुर्जर के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। जिसमें युवाओं को पौधे वितरित करके हरियाली बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कैंप में सुबह नौ बजे पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके बाद चिकित्सीय टीम विभिन्न चेकअप करेगी, फिटनेस रिपोर्ट मिलने पर ब्लड डोनेट संभव हो पाएगा। भाजपा नेता महेंद्र गुर्जर रक्तदाताओं को बैज लगाएंगे तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करेंगे।

जिले के अंतिम छोर तक पहुंचाया जाएगा दोहान का पानी

माजरा खुर्द से दोहान नदी में छोड़ा जाएगा जेएनएल का अतिरिक्त पानी

- गत वर्ष माजरा कलां की सीमा तक पहुंच गया था दोहान नदी का पानी, आगे की जमीन का मालिकाना हक किसानों के पास होने की वजह से रोका गया था पानी
- पांच दशक पहले माजरा खुर्द से भगड़ाना, पाली, जाट, भुरजट व बसई से दादरी की ओर निकलती थी दोहान नदी

महेश कुमार ▶▶| महेंद्रगढ़

सिंचाई विभाग की ओर से दोहान नदी का पानी जिला के अंतिम छोर तक पहुंचाने का प्लान तैयार किया गया हैं। विभाग की ओर से गांव झगड़ौली के एमसी-5 पंप से 15 करोड़ रुपये की लागत से अंडरग्राउंड पाइपलाइन डालकर जवाहर लाल कैनाल के अतिरिक्त पानी दोहान नदी में छोड़ा जाएगा। विभाग की ओर से जल्द कागजी कार्रवाई पूरी पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू किया जाएगा। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के निर्देश पर वर्ष 2022 में सिंचाई विभाग ने दक्षिण हरियाणा की इन दोनों बरसाती नदियों को पुनर्जीवित करने की मुहिम शुरू की थी। जिसका नतीजा यह हुआ कि अब इनमें पानी बह रहा है। इसके बाद सिंचाई मंत्री डॉ. अभय सिंह ने दोहान नदी का पानी जिला के अंतिम छोर तक पहुंचाने के प्रयास शुरू किए गए। सिंचाई मंत्री के निर्देश पर विभाग के अधिकारियों ने जिला के अंतिम छोर तक दोहान नदी में पानी छोड़ने का प्लान तैयार किया है, ताकि जिले के गिरते भूजल स्तर में सुधार लाया जा सके। विभाग की ओर से करीब 15 करोड़ की लागत से गांव झगड़ौली के एमसी-5 पंप से 15 करोड़ रुपये की लागत से अंडरग्राउंड पाइपलाइन डालकर जवाहर लाल कैनाल के अतिरिक्त पानी दोहान नदी में छोड़ा जाएगा। दोहान नदी में पानी आने के बाद करीब एक दर्जन गांवों को फायदा मिलेगा।

माजरा खुर्द की सीमा तक पहुंच चुका है दोहान नदी में पानी: मानसून में पानी की मांग कम होने से नहरों को 16 स्थानों पर इन नदियों से जोड़ा गया। नारनौल ब्रांच को डेरोली अहीर के पास लगभग 300 सीएस का एस्कैप दोहान नदी में दिया गया और डेरोली से महेंद्रगढ़ शहर तक करीब 16 किलोमीटर लंबी नदी को पुनर्जीवित किया गया था, जिसके बाद जवाहर कैनाल नहर का अतिरिक्त पानी दोहान नदी में छोड़ा जा रहा है। वर्ष 2022 में दोहान नदी का पानी पहले गांव डुलाना तक पहुंचाता था। पानी निकासी नहीं होने के कारण डीएवी स्कूल व बुचियावाली गौशाला में पानी भर जाता था, जिससे काफी परेशानी होती थी। इसके आसपास की जमीन वन विभाग की थी। जिस कारण सिंचाई विभाग कोई काम नहीं कर पा रहा था, लेकिन पिछले वर्ष वन विभाग के उच्च अधिकारियों की ओर से खुदाई की अनुमति मिलने के बाद सिंचाई विभाग की ओर सरकारी जेसीबी के माध्यम से खुदाई कराई गई है। करीब 1.5 किलोमीटर की करीब फीट गहरी व 8 फीट की चौड़ाई का नाला बनाने के बाद बुचियावाली गौशाला व डीएवी स्कूल में पानी भरना बंद हो गया तथा आगे के गांवों में पानी पहुंचाना शुरू हो गया है। दोहान नदी का पानी रेवाड़ी-महेंद्रगढ़ स्टेट हाईवे का पार कर चुका था। यह पानी माजरा कलां की सीमा से करीब 500 मीटर की दूरी पर है। दोहान नदी की आगे की जमीन का मालिकयाना हक किसानों के पास होने के कारण पानी रोक दिया गया था, लेकिन अब दोहान नदी में पानी आना शुरू होने के बाद गांव भगडाना, पाली, जाट, भुरजट व बसई को भी इसका लाभ मिलेगा।

महेंद्रगढ़। रेवाड़ी-महेंद्रगढ़ रोड से गुजरता दोहान नदी का पानी। फाइल फोटो

दो साल में भी नहीं निकला खुला पानी का समाधान

दोहान में नदी में करीब एक साल में खुला पानी छोड़ा जा रहा है। यह पानी मुख्य मागार्ें की सड़क से भी होकर गुजर रहा हैं। जिसके राहगीरों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही हैं। दोहान नदी अटेली रोड़ व डुलाना से होकर गुजर रहा था। अब रेवाड़ी-महेंद्रगढ़ मार्ग में भी खुला बह रहा हैं। इस मार्ग पर वाहनों का आवागमन ज्यादा है, जिससे लोगों को काफी परेशानी हो सकती है। स्थानीय लोगों द्वारा जिला प्रशासन दोहान नदी का पानी मुख्य मार्गों से पाइपलाईन के माध्यम से निकालने की मांग की जा रही है।

15 करोड़ की लागत से बिछाई जाएगी पाइपलाइन

सिंचाई विभाग के एसडीओ सुरेंद्र जागड़ा ने बताया कि सिंचाई मंत्री के प्रयासों के दोहान नदी में पानी डालने का प्लान तैयार किया जा रहा हैं। गांव माजरा खुर्द में दोहान नदी में जवाहर लाल कैनाल का अतिरिक्त पानी डाला जाएगा। इसके लिए करीब 15 करोड़ की लागत से गांव झगड़ौली के एमसी-5 पंप से 15 करोड़ रुपये की लागत से अंडरग्राउंड पाइपलाइन बिछाई जाएंगी।

हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना के लाभार्थी जल्द प्राप्त करें अपने कार्ड

- साल में एक हजार किलोमीटर की मुफ्त यात्रा होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

डिपो के जीएम अनित यादव ने जिले के नागरिकों से आह्वान किया है कि हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना (हैप्पी) के लाभार्थी जल्द से जल्द अपना कार्ड प्राप्त कर लें। नागरिकों की सुविधा के लिए छुट्टी के दौरान भी कार्ड वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना (हैप्पी) जिले में लोकप्रिय हो रही है। इस कार्ड के जरिए नागरिक लगातार बसों में मुफ्त यात्रा का लाभ उठा रहे हैं। जिले में अब तक लगभग 23 हजार नागरिकों ने बस स्टैंड से अपने हैप्पी कार्ड प्राप्त किए। जिन लाभार्थियों के मोबाइल फोन पर विभाग से एसएमएस आ चुका है वे जल्द अपना हैप्पी कार्ड प्राप्त कर लें। नागरिक अपना मोबाइल साथ लेकर आएं ताकि ओटीपी प्राप्त किया जा सकें। लोगों की सहुलियत के लिए इस कार्य के लिए शनिवार व रविवार को भी बूथ खोले गए थे। अगले शनिवार व रविवार को भी यह कार्य करने के लिए बूथ खोले जाएंगे। हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना (हैप्पी) के लिए परिवहन विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होता है। ऑनलाइन आवेदन के बाद विभाग की ओर से पात्र नागरिक के पास एसएमएस जाएगा। एसएमएस जाते ही वे नागरिक तुरंत नारनौल बस स्टैंड पर इस कार्य के लिए बनाए गए बूथ पर जाकर अपना हैप्पी कार्ड ग्रहण कर सकते हैं। जिला महेंद्रगढ़ में अब तक 64041 नागरिकों ने हैप्पी कार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है। अभी तक जिले में लगभग 23 हजार नागरिकों को हैप्पी योजना के कार्ड दिए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि सरकार की योजना अनुसार हैप्पी कार्ड धारक को 1000 किलोमीटर प्रति वर्ष हरियाणा रोडवेज की बसों में मुफ्त सफर करने का मौका मिलेगा।

इस योजना के तहत गरीब परिवारों को प्रतिवर्ष एक हजार किलोमीटर तक मुफ्त में हरियाणा रोडवेज की बस में सफर करने की सुविधा मिल रही है। जो पात्र परिवार इस योजना का लाभ उठाना चाहते हैं वे जल्द से जल्द इस कार्ड के लिए परिवहन विभाग की साइट पर आवेदन करें। इसके अलावा बस स्टैंड पर भी कार्ड जारी करने के लिए बूथ स्थापित किए गए हैं।

हाजीपुर व खटोटी खुर्द से लड़के गायब

नारनौल। हाजीपुर निवासी परमजीत ने बताया कि उसका 17 वर्षीय बेटा क्रितांश सुबह घर से नारनौल जिम व कंप्यूटर सेंटर जाने के लिए निकला था। उसने ब्लैक पेंट व ब्लैक शर्ट पहनी हुई है तथा अब तक घर नहीं लौटा है। मोबाइल फोन भी घर पर छोड़ गया है तथा सभी जगह पता करने पर उसकी कोई जानकारी नहीं मिल रही है। इसलिए उसे तलाश किया जाए। इसी कड़ी में गांव खटोटी खुर्द से एक 16 वर्षीय लड़का गायब हो गया है। पीड़ित पिता शमशेर सिंह ने बताया कि उसका लड़का कुणाल 26 जून को सायं साढ़े चार बजे घर से बाहर घूमने गया था, लेकिन 7 जुलाई तक वापस नहीं लौटा है। हर संभव प्रयास किए, लेकिन उसका कहीं कोई अता-पता नहीं लगा, जबकि उसके खाते से अब तक चेक के माध्यम से 10 हजार रुपये भी निकाल लिए गए हैं।

कांग्रेस विधानसभा चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है हम लड़ेंगे, जीतेंगे और सरकार बनाएंगे: सुनीता वर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महिला कांग्रेस संगठन का विस्तार करने के लिए तथा देश की आधी आबादी की बुलंद आवाज अलका लांबा का संदेश लेकर महेंद्रगढ़ के महायचान मोहल्ले के रविदास मंदिर में पहुंची जिला ऑब्जर्वर सुनीता वर्मा ने महिलाओं की बैठक ली, जिसमें उन्होंने भारतीय राजनीति में महिलाओं की सशक्त भूमिका और उनकी राजनीतिक सहभागिता पर चर्चा करते हुए कहा की महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की सोच कांग्रेस पार्टी की ही थी। तभी वर्ष 2010 में तत्कालीन यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने लोकसभा और विधानसभा के लिए इस महिला आरक्षण बिल को राज्यसभा में पास कराया था। वर्मा ने महिला कांग्रेस जिला महेंद्रगढ़ के संगठन को विस्तार देते हुए शहरी जिला अध्यक्ष बाला देवी और ग्रामीण जिला अध्यक्ष सुनीता मावता के सहयोग से सर्वसम्मति के साथ जिले की चारों विधानसभा अध्यक्षों तथा कार्यकारिणी सदस्यों की नियुक्ति का पैनल महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्षा और हरियाणा महिला कांग्रेस अध्यक्षा के पास भेज दिया है, जल्द ही इनके नामों की घोषणा कर दी जाएगी। कांग्रेस विधानसभा चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है हम लड़ेंगे, जीतेंगे और सरकार बनाएंगे।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भाग लेती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

ये रहे रही मौजूद: इस मौके पर महिला कांग्रेस से बाला देवी, सुनीता मावता, डॉ. राज सुनेश यादव, कृष्णा देवी, मंजू देवी, सरिता यादव, मुकेश देवी, रीना देवी, चित्रा देवी, रोशनी देवी, माया देवी, एडवोकेट सुनीता सिंह, अनीता यादव, शांति देवी, जगवती देवी, गीता देवी व कृष्णा आदि मौजूद थी।

मेले में वीरेंद्र शास्त्री ने जीती 11 हजार की कुश्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहीद गोपाल सिंह की स्मृति में राजस्थान के सीमावर्ती गांव नरात के मेले में पहलवानों ने दमखम दिखाया। 11000 रुपये की कुश्ती के विजेता एवं उप विजेता क्रमशः पहलवान वीरेंद्र कुमार शास्त्री एवं जितेंद्र कुमार रहे। वीरेंद्र शास्त्री नारनौल खंड के गांव बसीरपुर स्कूल में बतौर शिक्षक कार्यरत है। बता दें कि 11 हजार रुपये की कुश्ती के चार पहलवान आ गए थे, जिनमें से दो-दो को लड़ाया गया और इनमें पहलवान वीरेंद्र कुमार शास्त्री एवं जितेंद्र विजेता बने।

जितेंद्र पहलवान वीरेंद्र शास्त्री का चेला है और उसने फाइनल अपने गुरु वीरेंद्र शास्त्री से कुश्ती न लड़ते हुए ईनाम उनके नाम ही कर दिया। इस पर मेला कमेटी ने दोनों को सम्मानित किया और बिना कुश्ती लड़े ही वीरेंद्र पहलवान विजेता घोषित किए गए। जानकारी के अनुसार बुहाना के निकटवर्ती गांव नरात में सन् 2000 कारगिल युद्ध में शहीद हुए गोपाल सिंह की स्मृति में मेले का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने शहीद को प्रतिवर्ष की भांति श्रद्धांजलि दी। मेले में कुश्ती व कबड्डी के खेलों का भी आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान व हरियाणा के पहलवानों ने भाग लिया। मेले की सबसे बड़ी कुश्ती 11000 की पहलवान वीरेंद्र कुमार शास्त्री तथा उपविजेता जितेंद्र कुमार रहे। दूसरे नंबर 5100 रुपये की कुश्ती में शास्त्री अखाड़े के पहलवान संदीप कुमार विजेता रहे। मेले में अनेक कुश्ती करवाई गई। मेला कमेटी पदाधिकारियों गोविंद सिंह, राधेश्याम शर्मा, घनश्याम शर्मा, राजेंद्र सिंह, उमेद जांगिड़, गोपाल सिंह आदि द्वारा कबड्डी व कुश्ती के खिलाड़ियों को ईनाम देकर पुरस्कृत गया।

नारनौल। पहलवान वीरेंद्र शास्त्री एवं जितेंद्र को सम्मानित करते मेला कमेटी सदस्य। फोटो : हरिभूमि

नंदीशाला में गायों के लिए की हरे चारे की व्यवस्था

नारनौल। गोमाता सेवा समूह द्वारा रघुनाथपुरा स्थित नंदी गोशाला में गोमाता के लिए हरे चारे की व्यवस्था की गई। समूह के प्रधान प्रदीप यादव ने बताया कि वे हर रविवार अपनी टीम के साथ हरे चारे का प्रबंध करते हैं। अपने साथियों सहित मिलकर इन गोमाता की सेवा करते हैं। उन्होंने बताया कि टीम में करीब 40 लोग हैं, जिनके साथ मिलकर वह इस कार्य को करीब एक वर्ष से ज्यादा समय से सेवा भाव में लग रहे हैं। उनका प्रयास है कि टीम को और बड़ा कर इन गोमाता की ओर अच्छी सी सुविधा दे सकें। इस मौके पर कृष्ण मैनेजर, ऑटो डील्स शोरूम के मालिक राजकुमार गोयल, प्रवीण योगेश, नितेश, संदीप, हेमंत, भूपेंद्र, विपिन, टिंकू, संदीप व विवेक सहित अनेक गोभक्त उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुडा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

डा. भीमराव अंबेडकर सेवा समिति ने किया पौधारोपण

नारनौल। डा. भीमराव अंबेडकर सेवा समिति पटीकरा ने रविवार को वृद्ध आश्रम, श्मशान घाट के बाहर, होलिका दहन स्थान पर पौधारोपण किया। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने कहा कि वातावरण को शुद्ध व संतुलन बनाए रखने में पेड़-पौधे अहम भूमिका निभाते हैं। पेड़ हवा से कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं और हमारे जीवन के लिए ताजा ऑक्सीजन छोड़ते हैं। यह चक्र प्रकृति की ओर से अन्य जीवित प्राणियों को जीवित रखने के लिए बनाया गया है। उन्होंने कहा कि पेड़ों पौधारोपण से हवा साफ होगी और ग्लोबल वार्मिंग का असर कम होगा। उन्होंने कहा कि जहां पेड़-पौधों की संख्या ज्यादा होती है, वहां बरसात में अच्छी बारिश होती है। पेड़-पौधे पृथ्वी पर ईश्वर का दूसरा रूप है, जो हमें जीवन प्रदान करता है। सांस लेने के लिए ऑक्सीजन भी पेड़ से ही प्राप्त होता है। जिससे जीवन संभव हो पाता है। इस मौके पर जोरावर नंबरदार, करन चुनवाल, आशीष, रवि कुमार, राकेश, कृष्ण, संजय, संदीप, सचिन, कमल, संदीप, हंसराज, जीतू, दीपेश आदि मौजूद थे।

बड़ी नहर की टेल पर पड़ने वाले गांवों में नहीं पहुंच पाता है समुचित पानी, लगातार गिर रहा भूजल स्तर

गांवों के भूजल रीचार्ज के लिए सांसद से की मुलाकात, सांसद ने लिखा सिंचाई मंत्री को पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेन्द्रगढ़ डिस्ट्रीब्यूटरी (पाली-भगड़ाना बड़ी नहर) की टेल पर पड़ने वाले गांवों में भूजल रीचार्ज के लिए विशेष योजना बनाने के लिए सांसद धर्मबीर सिंह ने सिंचाई मंत्री डा. अभय सिंह को पत्र लिखा है। इस बारे में जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि टेल पर होने की वजह से गांव पल्ह, बैरावास, पाल, गडानिया, खेड़की, निहालावास, कूकसी, गुलावला, दूलोठ, खैरौली, सहित लगभग एक दर्जन गांवों में पानी कम पहुंचता है। यहां भू-जल स्तर लगातार गिरता जा रहा है। यहां पर भू-जल रीचार्ज 1200 से 1500 फिट तक गिर गया है तथा बहुत बार तो बोर करने पर पानी भी नहीं निकलता। ऐसे में यहां ना सिर्फ खेती पर संकट खड़ा हो रहा है बल्कि गर्मी के दिनों में तो पीने के पानी के टैंकर भी मंगवाने पड़ते हैं। संदीप मालड़ा ने बताया कि बरसात के दिनों में नहरी पानी भरपूर मात्रा में उपलब्ध रहता है। ऐसे में टेल पर पड़ने वाले गांवों के विशेष योजना बनाई जाए जिसमें बरसात के 100 दिनों में यहां रीचार्ज किया जाए। इसी विषय को लेकर उन्होंने दिल्ली पहुंचकर सांसद धर्मबीर सिंह से मुलाकात की। सांसद के सामने मामला रखा कि टेल पर पड़ने वाले एमडी 4 खरोली, एमडी 5 बैरावास एवं एमडी 6 गडानियां तीनों पंप हाउस पर चारों दिशाओं में एक-एक किलोमीटर प्रेशराइजड पाइपलाइन बिछाई जाए तथा हर 200 मीटर पर एक रीचार्ज बोर किया जाए। इस प्रकार हर एक किलोमीटर की लंबी पाइपलाइन में 5 रीचार्ज बोर हो तथा एक पंप हाउस के साथ 20 रीचार्ज बोर बनाए जाए। इस प्रकार कुल लगभग 5 दर्जन रीचार्ज बोर बनाए जाए तथा अलग मोटर लगाकर इनमें बरसात के दिनों में पानी रीचार्ज किया जाए। सांसद ने सिंचाई मंत्री को पत्र लिखकर इस बारे जल्द योजना लागू कराने की मांग की। संदीप मालड़ा ने बताया कि इन गांवों में बरसात के दिनों में ही भरपूर पानी पहुंचता हैं। इसलिए इस प्रकार की विशेष रीचार्ज योजना से ही यहां का भूजल स्तर उठाया जा सकता है।

महेंद्रगढ़। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह से मुलाकात करते संदीप मालड़ा। फोटो : हरिभूमि